26/10/21
C.W

Ch-8

प्रश्नोंके उत्तर

Q1) रिटायर होने के उपरांत पापा की दिनचर्या में क्या परिवर्तन आ गए थे?

उ:- रिटायर होने के बाद पापा ने एक पुस्तक लिखने का मन बना लिया था, इसके लिए वे कम से कम दो घंटे अध्ययन करते थे। सप्ताह में एक दो दिन अपने मित्रों और रिश्तेदारो के यहाँ जाते थे।

Q2) 'छड़ी को टेककर चलते' का क्या अर्थ है? पापा छड़ी टेककर क्यों नहीं चलते थे?

उ:- 'छड़ी को टेककर चलने' कि पापा ने समय को स्वीकार कर लिया है।

पापा अपने आप को कभी भी बूढ़ा या अनफिट नहीं दिखाना चाहते थे, इसलिए वे छड़ी टेकर नहीं चलते थे।

Q3) मंटू अपने पापा के साथ सैर पर क्यों नहीं गया?

उ:- पापा के साथ सैर पर जाने से मंटू उनके सही ढंग से बातचीत नहीं कर पाता उसकी बाते और पापा के ख्याल एक दूसरे के विपरीत साबित होते।

Q4) पापा ने समय के साथ किस प्रकार समझौता किया?

उ:- पापा ने अपने बच्चों के साथ की उम्मीद छोड़ दी, उन्होंने छड़ी टेककर बाजार जाना मुनासिब समझा, इस प्रकार पापा ने समय को स्वीकार कर लिया।

Extra Questions

Q1) पापा कितने वर्ष के अंतराल पर दिल स्टेशन जाया करते थे?

उ:- पापा दो वर्ष के अंतराल पर दिल स्टेशन जाया करते थे।

Q2) पापा अपने परिवार के साथ किस शहर में रहते थे?

उ:- पापा अपने परिवार के साथ लखनऊ शहर में रहते थे।

Q3) इस कहानी में लखनऊ के किस बाजार का जिक्र है?

उ:- इस कहानी में लखनऊ के हजरतगंज बाजार का जिक्र है।

Q4) मम्मी-पापा बाजार किस प्रकार जाते थे?

उ:- लेखक और उसके भाई-बहन को नौकर या आया के साथ बाहर भेज दिया जाता था, इसी

बीच मम्मी - पापा बाजार जाते थे।

Q5) 'समय' कहानी किस प्रकार की कहानी है?
उ:- 'समय' कहानी आत्मकथात्मक कहानी है।

Q6) पापा कब दिल्ली स्टेशन जाया करते थे?
उ:- पापा गर्मियों में ~~दिल्ली स्टेशन जाया करते थे~~ महीनें - दो - महीनें के लिए दिल्ली स्टेशन जाया करते थे।

* वे अब उन्हें हर चीज़ लाकर देना चाहते थे। वे खुद ही ~~उन्हें~~ खाने की चीज़ लेने को कहते, किंतु वे इस बात को भूल रहे थे कि अब सभी युवा हो गए है। उन्हें (संतानों को) अब अपने अस्तित्व का ज्ञान हो गया है।

समय

P.T.O

प्रस्तुत कहानी एक ऐसे व्यक्ति पर आधारित है जो पहले समय के विपरीत चलता है और अंत में अपनी वास्तविक स्थिति को पहचानकर समय को स्वीकार कर लेता है। लेखक के पिता पहले जब कभी बाज़ार या घूमने जाते तो उसकी माँ को ही लेकर जाते थे। उन्हें और उनके भाई-बहन को ले जाना पिताजी को कम पसंद था। वे अपने आपको युवा दिखाना चाहते थे। पिताजी को असुविधा न हो, इसलिए मम्मी साड़ी बदलने से पहले लेखक सहित उसके भाई बहन को नौकर या आया के साथ बाहर भेज देती थी। पापा छड़ी टेककर नहीं चलते थे और जब कभी कुत्तों से सावधानी के लिए छड़ी लेते तो सैनिक या अफसरों की तरह हाथ में लिए चलते थे।

पापा रिटायर होने के बाद स्वभाव से बदल गए किंतु छड़ी लेना अब भी उन्हें मान्य नहीं था। वे बच्चों का सहारा लेना चाहते थे और लोगों को यह दिखाना चाहते थे कि उनके बच्चे किसी से कम नहीं हैं। *पापा ने मंटू का जवाब सुनकर भी कोई उत्तर नहीं दिया। वे अब इस बात को समझ गए थे कि कोई भी उनका हाथ पकड़कर अब नहीं चल सकता। इसीलिए जीवन के दूसरे भाग में वे स्वयं छड़ी लेकर बाज़ार जाने लगे। इस तरह समय को स्वीकार करना उनके लिए ठीक साबित हुआ।

एक दिन ~~पिताजी~~ पापा ने अपने साथ बाज़ार चलने के लिए आवाज़ दी। बड़ी लड़की ने अपने छोटे भाई मंटू को पापा के साथ जाने को कहा। मंटू ने पापा के साथ यह कहकर जाने से मना कर दिया कि बूढ़ों के साथ कौन अपना समय ~~बर्बाद~~ बर्बाद करे।